

## भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू

Indian Institute of Management Jammu

जगती, जम्मू-181221, भारत

Jagti, Jammu-181221 India

Phone: +91-191-2741400 Email: info@iimj.ac.in Website: www.iimj.ac.in



### Press Release

भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू ने एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया और प्रशासनिक कार्यों का निरीक्षण किया गया

जम्मू, १० जुलाई २०२४: भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू ने १० जुलाई २०२४ को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जगदीश राम पौरी, निदेशक राजभाषा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार थे। उनके साथ श्री किशोर कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, हिंदी राजभाषा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार भी उपस्थित थे। प्रो. बी.एस. सहाय, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रो. जबीर अली, डीन अकादमिक्स; डॉ. अनुजा अखौरी, सह-अध्यक्ष, हिंदी राजभाषा समिति; कमांडर केशवन बास्करण, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी; सहित संस्थान के संकाय, अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और छात्र शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत श्री अभय कुमार अवस्थी, राजभाषा अधिकारी, भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

डॉ. अनुजा अखौरी ने सभी का स्वागत किया और श्री जगदीश राम पौरी के आधिकारिक जीवन के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें हिंदी राजभाषा और इसके उपयोग के प्रति जागरूकता पैदा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

माननीय निदेशक महोदय प्रो. बी.एस. सहाय जी ने श्री जगदीश राम पौरी को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र द्वारा सम्मानित किया। इसी क्रम में श्री किशोर कुमार को कमांडर केशवन बास्करण ने सम्मानित किया।

प्रो. बी.एस. सहाय जी ने अपने संबोधन में हिंदी को हमारी राजभाषा के रूप में महत्व दिया और विस्तार से बताया कि भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू ने सभी आधिकारिक आदेशों, नियुक्तियों सहित, द्विभाषी बनाने के लिए किए गए प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू सरकारी भाषा कार्यान्वयन में पूरी निष्ठा से जुटा है और आगे की प्रगति की आवश्यकता को बल दिया। उन्होंने भारत सरकार के निरंतर प्रयासों की सराहना की, जो हिंदी को बढ़ावा देने में लगी है, और श्री जगदीश राम पौरी के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू की हिंदी राजभाषा के प्रति पुनः प्रतिबद्धता को स्वीकार किया, सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, और तमिल संगम और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे कार्यक्रमों की भूमिका को भी उजागर किया। उन्होंने सभी को योग्यता और अपने व्याकरण में एक हिंदी शब्द दैनिक उपयोग में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

श्री जगदीश राम पौरी ने सभी का स्वागत किया और विकसित भारत और फिर से विश्वगुरु बनने की दृष्टि को साकार करने के लिए अपनी मातृभाषा में संवाद करने के महत्व पर जोर दिया, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने परिकल्पित किया है। उन्होंने हिंदी को बढ़ावा देने के लिए सरकार के कदमों पर प्रकाश डाला, साथ ही भारत में भाषाओं की विविधता को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि १४ सितंबर १९४९ को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में हिंदी को भारतीय संघ की आधिकारिक भाषा अर्थात् राजभाषा के रूप में अपनाया। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू में राजभाषा समिति के प्रयासों की सराहना की और संस्थान में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के उनके मिशन में उत्कृष्टता की उम्मीद जताई। उनके संबोधन में महान कवियों और लेखकों के उद्धरण शामिल थे, जिससे यह एक वास्तव में ज्ञानवर्धक सत्र बन गया।

कार्यशाला में एक प्रश्नोत्तरी सत्र भी शामिल था, जिसमें भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू में हिंदी राजभाषा में सुधार के विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई। कार्यशाला सकारात्मक दृष्टि पर समाप्त हुई। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. रामबलक यादव, सदस्य, राजभाषा समिति, भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू द्वारा प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगान द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुख्य अतिथि को भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू के अत्याधुनिक परिसर का दौरा भी कराया गया। प्रशासनिक कार्यों का निरीक्षण एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला के बाद, शिक्षा मंत्रालय से आए हुए राजभाषा दल ने भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू के प्रशासनिक कार्यों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य संस्थान में राजभाषा हिंदी के उपयोग और कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान, दल ने विभिन्न विभागों और कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग का जायजा लिया और अधिकारियों से बातचीत की।

श्री जगदीश राम पौरी ने संस्थान के राजभाषा नीति के पालन और हिंदी के प्रयोग में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रशंसा की। उन्होंने संस्थान द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और भविष्य में और भी बेहतर कार्यान्वयन के लिए सुझाव दिए।

भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू जम्मू के निदेशक प्रो. बी.एस. सहाय ने निरीक्षण दल को आश्वासन दिया कि संस्थान राजभाषा नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करेगा और हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि संस्थान में सभी आधिकारिक कार्य हिंदी में करने के प्रयास जारी रहेंगे और हिंदी के प्रसार में संस्थान अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा। यह निरीक्षण संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और हिंदी के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

मीडिया से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें:



: [pro@iimj.ac.in](mailto:pro@iimj.ac.in)



: +९१-८००१२१६१६

भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला की झलकियां





















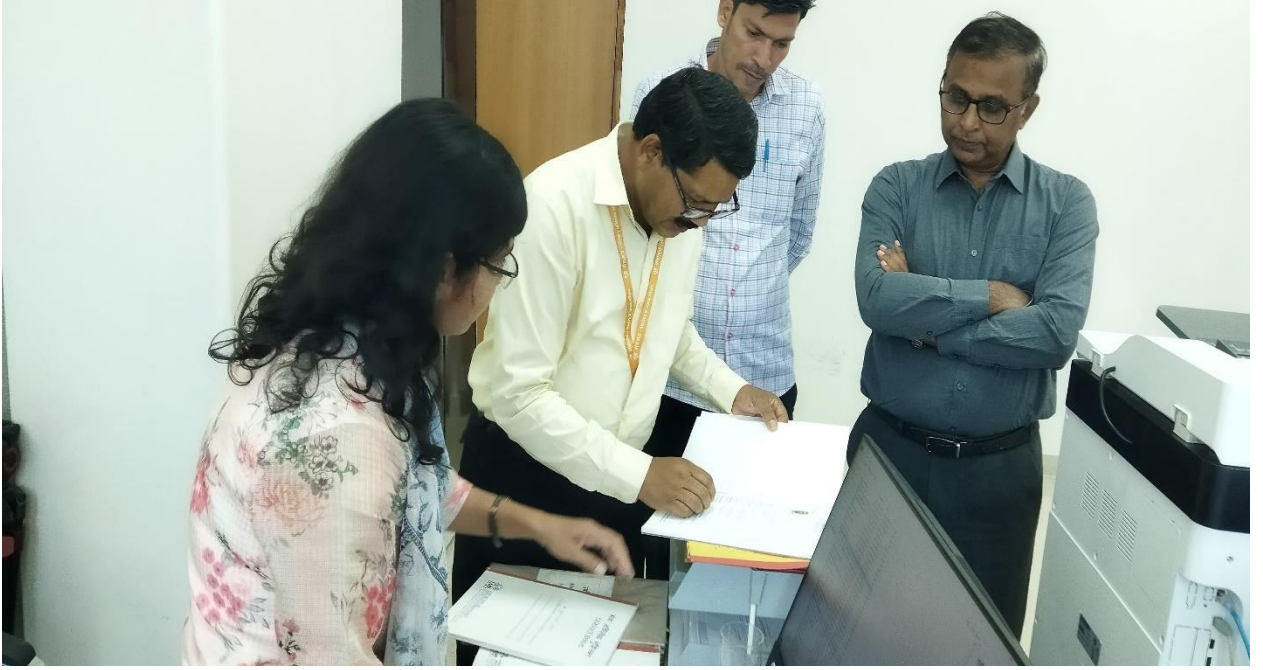








भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू में १० जुलाई २०२४ को हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन के निरीक्षण की झलकियाँ





## Press Release

### Indian Institute of Management (IIM) Jammu Organizes One Day Hindi Workshop

**Jammu, 10th July 2024:** The Indian Institute of Management (IIM) Jammu organized a one-day Hindi Workshop at the Aryabhatta Classroom on 10th July 2024. The Chief Guest for the event was Shri Jagdish Ram Pauri, Director Rajbhasha, Ministry of Education, Government of India. He was accompanied by Shri Kishore Kumar, Senior Translation Officer, Hindi Rajbhasha, Ministry of Education, Government of India. Prof. B.S. Sahay, Director, IIM Jammu presided over the inaugural ceremony.

Present on the occasion were Prof. Jabir Ali, Dean Academics, IIM Jammu; Dr. Anuja Akhouri, Co-Chairperson, Hindi Rajbhasha; Cmdr. Kesavan Baskaran, Chief Administrative Officer; along with faculty, officers, staff members, and students at the Institute. The event commenced with a welcome address by Shri Abhay Kumar Awasthi, Hindi Rajbhasha Adhikari, IIM Jammu, followed by the symbolic lighting of the lamp by the dignitaries.

Dr. Anuja Akhouri welcomed everyone and gave a brief introduction about the illustrious journey of Shri Jagdish Ram Pauri, highlighting his instrumental role in creating awareness about Hindi Rajbhasha and its usage.

Prof. B.S. Sahay, Director, IIM Jammu felicitated Shri Jagdish Ram Pauri with a memento and shawl. Shri Kishore Kumar was felicitated by Cmdr. Kesavan Baskaran.

In his address, Prof. B.S. Sahay, Director, IIM Jammu emphasized the importance of Hindi as our Rajbhasha and detailed IIM Jammu's efforts to ensure all official orders, including appointments, are bilingual. He noted that IIM Jammu is committed to official language implementation and stressed the need for further progress. He acknowledged the consistent efforts of the Government of India in promoting Hindi and expressed gratitude for Shri Jagdish Ram Pauri's support. He reiterated IIM Jammu's commitment to Hindi Rajbhasha as per government guidelines and highlighted the role of films and programs like Tamil Sangam and Ek Bharat Shreshtha Bharat in spreading Hindi. He urged everyone to incorporate one Hindi word daily into their vocabulary to foster the language in daily life.

Shri Jagdish Ram Pauri Director Rajbhasha, Ministry of Education, Government of India welcomed everyone and stressed the importance of communicating in one's mother tongue to achieve the vision of Viksit Bharat and becoming Vishwaguru, as envisioned by Prime Minister Narendra Modi. He highlighted the government's steps to promote Hindi while recognizing the diversity of languages in India. He mentioned that on September 14, 1949, the Constituent Assembly adopted Hindi in Devanagari script as the official language of India. He appreciated the efforts of the Rajbhasha Committee at IIM Jammu and encouraged them to continue fostering the use of Hindi across the institution. His address included quotes from illustrious poets and authors, making it truly enlightening.

The delegation was also taken for a campus tour of the state-of-the-art facilities at IIM Jammu. The vote of thanks was proposed by Dr. Rambalak Yadav, Member, Rajbhasha Committee, IIM Jammu. The workshop featured an interactive session where various suggestions for improving Hindi Rajbhasha at IIM Jammu were discussed. The workshop concluded on a positive note.

After the one-day Hindi workshop, the Rajbhasha team from the Ministry of Education inspected the administrative functions of IIM Jammu. The purpose of this inspection was to evaluate the use and implementation of Rajbhasha Hindi within the institution. During the inspection, the team reviewed the use of Hindi in various departments and offices and interacted with the officials. This inspection was a significant step towards ensuring transparency and the effective use of Hindi in the administrative functions of the institution.

For any media-related queries, pls contact:



: [pro@iimj.ac.in](mailto:pro@iimj.ac.in)



: +91-8000121616

Glimpses from the One Day- Hindi Workshop at IIM Jammu





























Glimpses from the Inspection of Hindi Rajbhasha Implementation at IIM Jammu on 10<sup>th</sup> July 2024

